—07.04.2020

BA Part -1 (1) L(H) Paper-II

प्रश्न - अतीत कथा संग्रहमे संकलित 'अतीत' कथाक समीक्षा करू।

उत्तर : मनुक्खेव किऐक, कालक प्रभाव सँ सजीव - निर्जीव किओ, कोनो रूपमे की बाँचि सकल ? नहि। तखन समक जीवनमे अतीतक महत्व है कते, ओ चाहिओ क' किओ बिसरि नहि पबैत अछि। अतीत समयक एक अविभाज्य, अविच्छिन्न अंगकेँ निर्मिमेख देखि रहल अछि। कोनो एक मास जनवरी आ देखिते - देखिते बारहो मास आबि जाइछ, आ एक बर्ख आओर बीति गेल। जे आब अतीतमे चलि गेल।

हमर दृष्टि देवालपर टांगल कालक प्रतिनिधि वा प्रतीक घड़ीपर पड़ल। हम पेपरवेट सँ ओकरा तोड़ए चाहैत रही। न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी। तँ की कालक गति रुकि जयतैक। बीजसँ अंकुर, आ अंकुरसँ गाछ, गाछमे पात आ फूल फल। पुनि बीज। सभ गतिशील अछि।

हमर स्मृतिक एक देवाल घड़ी जे सुखद - दुःखद क्षणक साक्षी छल। कतेको पुरान परिवेशक बन्धन कटि चुकल छलहुँ। अतीतक परित्याग सम्भव नहि। वृद्ध भेला पर लोक प्रायः अतीतमे रहैत अछि, वर्तमान केँ बिसरबाक चेष्टा करैत अछि, भविष्यक कल्पना दुःखद होइछ।

Scanned with CamScanner

परञ्च जीवनक मध्याह्नमे वर्तमान आ भविष्य साराहीन बुझि पड़य तँ ओहि दुनूकेँ अस्वीकार कयलाक बाद रहय तृतीयागतिर्भवति। हम निरन्तर अतीतक व्याख्या करबाक प्रयत्न कैरैत रहलहुँ, मुदा अतीत कहाँ छोड़लक। अपन छायाक परित्याग कि संभव छैक।

छायाक स्वरूप दिनक पूर्वार्ध आ परार्धके भिन्न होइत छैक। छाया नहि त' अग्रगामी आ नै अनुगामिनी। हमर छाया त' प्रकाशक स्रोत रहथि। एहि जनाकीर्ण संसारसँ ओ भागि आयल रहथि, दूर बहुत दूर। परञ्च ओ अपन संगतिक कोना परित्याग करितथि। छायाक वास्तविक गुण होइत छैक वस्तुक संग ओकर सम्पृक्तता। मुदा उनटे बुझलहुँ हे राम।

शिशिरक आगमनक पूर्व संध्यामे कवि हाउसमैनकेँ स्मरण होइत "हाउ डिड यू फील द कोल्ड।" डिक-कविक ओमहर मित्र जनिका आब जाड़क भय नहि रहलनि। किएक तँ ओ पृथ्वीकेँ अपन ओवरकोट बना लेने रहथि अर्थात आब ओ पृथ्वीक कोखिमे रहथि। डिक आब अतीत भ चुकल छलाह तैँ जाड़-तापसँ निष्प्रभावी।

वर्षक पहिल दिनकेँ जतेक हमरा बिलखबाक इच्छा। रहैत अछि तेहेन प्रबल ओकर स्मरणक आतुरता। 'चीफली आए रिमम्बर हाउ थिंक वुड फील द कोल्ड।' चीफली मुख्यत: कविक स्मृति पटल पर अपन मित्रक देहावसान क्षणसँ स्पष्ट छलनि। नववर्षक छाया नहि अनेक छायाकेँ मूर्तिमान कऽ देलक। एकरेर फेरसँ अतीतक छाया स्पष्ट रूपसँ मूर्तिमान भ' गेल। अतीत, अतीत, छाया, छाया।

रानी मिश्रा
मैथिली विभाग
आर. एन० कॉलेज
पण्डौल, मधुबनी

Scanned with CamScanner